



Geeteshwer



Lo

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121335106



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>12.00</b>		

Geeteshwer का वर्ग मार्जार है तथा Lo का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।  
अष्टकूट मिलान के अनुसार Geeteshwer और Lo का मिलान ठीक नहीं है।

### मंगलीक दोष मिलान

Geeteshwer मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।  
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।  
क्योंकि मंगल एवं राहु Geeteshwer कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Lo मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् ।  
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।।**

यदि एक की कुण्डली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुण्डली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Lo कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Geeteshwer तथा Lo में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

